| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **# global.columns = S:TEXT_LINE_ID ID FORM S:ANVAYAPOS S:VIŚLEṢAṆA S:VIGRAHA S:DHĀTU S:VYUTPATTI S:HGLOSS** | | | | | | | | |
| **# columnstsv = S: TEXT_LINE_ID** | **ID** | **FORM** | **S:ANVAYAPOS** | **S:VIŚLEṢAṆA** | **S:VIGRAHA** | **S:DHĀTU** | **S:VYUTPATTI** | **S:HGLOSS** |
| **## text = मधुराष्टकम्** | | | | | | | | |
| **## authors = वल्लभाचार्य** | | | | | | | | |
| **## commentators = नीतिका जिंदल, सर्वेश्वर राउ दुड्डु** | | | | | | | | |
| **# text_line = अधरं मधुरं वदनं मधुरं नयनं मधुरं हसितं मधुरम् । हृदयं मधुरं गमनं मधुरं मधुराधिपतेरखिलं मधुरम् ॥** | | | | | | | | |
| # text_line_hi = होँठ सुधामय, मुख आकर्षक, आँख मनोहर, उन्मादक हँसी । रमणीय हृदय और मनमोहक गति, माधुर्यों के स्वामी का सब कुछ मधुर ॥ | | | | | | | | |
| # text_line_id = 1 | | | | | | | | |
| 1 | 1 | अधरम् | 1 | अधर नपुं 1 एक | <न-धर>Tn | धृ (धृञ्) धारणे भ्वादिः | नञ्+धृ+अच् | नीचे का ओष्ठ, होँठ |
| 1 | 2 | मधुरम् | 2 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, सुधामय |
| 1 | 3 | वदनम् | 3 | वदन नपुं 1 एक | | वद् (वदँ) व्यक्तायां वाचि भ्वादिः | वद्+ल्युट् | मुख |
| 1 | 4 | मधुरम् | 4 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, आकर्षक |
| 1 | 5 | नयनम् | 5 | नयन नपुं 1 एक | | नी (णीञ्) प्रापणे भ्वादिः | नी+ल्युट् | आँख |
| 1 | 6 | मधुरम् | 6 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, मनोहर |
| 1 | 7 | हसितम् | 7 | हसित नपुं 1 एक | | हस् (हसेँ) हसने भ्वादिः | हस्+क्त | हास्य; हँसी |
| 1 | 8 | मधुरम् | 8 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, उन्मादक |
| 1 | 9 | । | | | | | | |
| 1 | 10 | हृदयम् | 9 | हृदय नपुं 1 एक | | हृ (हृञ्) हरणे भ्वादिः | हृ+कयन्+दुक् | (श्री का निवास) हृदय; (विविध भावों से युक्त भक्तों का) मन |
| 1 | 11 | मधुरम् | 10 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, रमणीय |
| 1 | 12 | गमनम् | 11 | गमन नपुं 1 एक | | गम् (गमॢँ) गतौ भ्वादिः | गम्+ल्युट् | (गोचारण, चौर्यादि के लिए) जाना; (हृदय मेँ उनके लीला भावों का) अनुभव अथवा गति |
| 1 | 13 | मधुरम् | 12 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, मनमोहक |

| # global.columns = S:TEXT_LINE_ID ID FORM S:ANVAYAPOS S:VIŚLEṢAṆA S:VIGRAHA S:DHĀTU S:VYUTPATTI S:HGLOSS | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| # columnstsv = S: TEXT_LINE_ID | ID | FORM | S:ANVAYAPOS | S:VIŚLEṢAṆA | S:VIGRAHA | S:DHĀTU | S:VYUTPATTI | S:HGLOSS |
| 1 | 14-15 | मधुराधिपतेः | 13 | मधुराधिपति पुं 6 एक | <मधुर नपुं-अधिपति पुं>T6, बहु | | | (इन) माधुर्यों के स्वामी का |
| 1 | 14 | मधुर | | मधुर | | | मधु+र | माधुर्य |
| 1 | 15 | अधिपतेः | | अधिपति पुं 6 एक | | पा (पा) रक्षणे अदादिः | अधि+पा+डति | स्वामी |
| 1 | 16 | अखिलम् | 14 | अखिल नपुं 1 एक | <न-खिल>Tn | | नञ्+खिल्+कः | (कथनीय एवं अकथनीय) सब कुछ, संपूर्ण |
| 1 | 17 | मधुरम् | 15 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, मधुमय; रसमय; आनंदमय |
| 1 | 18 | ॥ | 16 | | | | | |
| | | | | | | | | |
| # text_line = **वचनं मधुरं चरितं मधुरं वसनं मधुरं वलितं मधुरम् । चलितं मधुरं भ्रमितं मधुरं मधुराधिपतेरखिलं मधुरम् ॥** | | | | | | | | |
| # text_line_hi = बोल मीठा, कृत्य प्यारा, वस्त्र आकर्षक, सुंदर मुद्रा । कृपालु चाल और सुखमय भ्रमण, माधुर्यों के स्वामी का सब कुछ मधुर ॥ | | | | | | | | |
| # text_line_id = 2 | | | | | | | | |
| 2 | 1 | वचनम् | 1 | वचन नपुं 1 एक | | वच् (वचँ) परिभाषणे अदादिः | वच्+ल्युट् | बोलने, उच्चारण करने या कहने की क्रिया; बोल, उक्ति |
| 2 | 2 | मधुरम् | 2 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, मीठा |
| 2 | 3 | चरितम् | 3 | चरित नपुं 1 एक | | चर् (चरँ) गतौ भ्वादिः | चर्+क्त | कृत्य, कर्म, व्यवहार; जीवनी |
| 2 | 4 | मधुरम् | 4 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, प्यारा |
| 2 | 5 | वसनम् | 5 | वसन नपुं 1 एक | | वस् (वसँ) आच्छादने अदादिः | वस्+ल्युट् | वस्त्र; निवास |
| 2 | 6 | मधुरम् | 6 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, आकर्षक |
| 2 | 7 | वलितम् | 7 | वलित नपुं 1 एक | | वल् (वलँ) सञ्चरणे भ्वादिः | वल्+क्त | मार्गरोधन, घेराव; (त्रिभंग) मुद्रा, भाव भंगिमा, (शरीर का) घुमाव |
| 2 | 8 | मधुरम् | 8 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, सुंदर |
| 2 | 9 | । | | | | | | |

| # global.columns = S:TEXT_LINE_ID ID FORM S:ANVAYAPOS S:VIŚLEṢAṆA S:VIGRAHA S:DHĀTU S:VYUTPATTI S:HGLOSS | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| # columnstsv = S: TEXT_LINE_ID | ID | FORM | S:ANVAYAPOS | S:VIŚLEṢAṆA | S:VIGRAHA | S:DHĀTU | S:VYUTPATTI | S:HGLOSS |
| 2 | 10 | चलितम् | 9 | चलित नपुं 1 एक | | चल् (चलँ) कल्पने भ्वादिः | चल्+क्त | (भक्तों के ओर) चलना, चाल |
| 2 | 11 | मधुरम् | 10 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, कृपालु |
| 2 | 12 | भ्रमितम् | 11 | भ्रमित नपुं 1 एक | | भ्रम् (भ्रमुँ) चलने भ्वादिः | भ्रम्+क्त | (गौ की खोज में वन में) भ्रमण; (विरह में इधर-उधर) विक्षेप, भटकना |
| 2 | 13 | मधुरम् | 12 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, सुखमय |
| 2 | 14-15 | मधुराधिपतेः | 13 | मधुराधिपति पुं 6 एक | <मधुर नपुं-अधिपति पुं>T6, बहु | | | (इन) माधुर्यों के स्वामी का |
| 2 | 14 | मधुर | | मधुर | | | मधु+र | माधुर्य |
| 2 | 15 | अधिपतेः | | अधिपति पुं 6 एक | | पा (पा) रक्षणे अदादिः | अधि+पा+डति | स्वामी |
| 2 | 16 | अखिलम् | 14 | अखिल नपुं 1 एक | <न-खिल>Tn | | नञ्+खिल्+कः | (कथनीय एवं अकथनीय) सब कुछ, संपूर्ण |
| 2 | 17 | मधुरम् | 15 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, मधुमय; रसमय; आनंदमय |
| 2 | 18 | ॥ | 16 | | | | | |
| | | | | | | | | |
| **# text_line = वेणुर्मधुरो रेणुर्मधुरः पाणिर्मधुरः पादौ मधुरौ । नृत्यं मधुरं सख्यं मधुरं मधुराधिपतेरखिलं मधुरम् ॥** | | | | | | | | |
| # text_line_hi = बंसी श्रुतिहारी, रज शुभद, हाथ सुखद, वंदनीय पद । मनोहर नृत्य और मैत्री हितकारी, माधुर्यों के स्वामी का सब कुछ मधुर ॥ | | | | | | | | |
| # text_line_id = 3 | | | | | | | | |
| 3 | 1 | वेणुः | 1 | वेणु पुं 1 एक | | अज् (अजँ) गतिक्षेपणयोः भ्वादिः | अज्(वी)+णु | बंसी |
| 3 | 2 | मधुरः | 2 | मधुर पुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, श्रुतिहारी |
| 3 | 3 | रेणुः | 3 | रेणु पुं 1 एक | | री (री) गतिरेषणयोः क्र्यादिः | री+णु | (बालों में व्याप्त) गो रज; चरण रज |
| 3 | 4 | मधुरः | 4 | मधुर पुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, शुभद |

| # global.columns = S:TEXT_LINE_ID ID FORM S:ANVAYAPOS S:VIŚLEṢAṆA S:VIGRAHA S:DHĀTU S:VYUTPATTI S:HGLOSS | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| # columnstsv = S: TEXT_LINE_ID | ID | FORM | S:ANVAYAPOS | S:VIŚLEṢAṆA | S:VIGRAHA | S:DHĀTU | S:VYUTPATTI | S:HGLOSS | |
| 3 | 5 | पाणिः | 5 | पाणि पुं 1 एक | | पण् (पणँ) व्यवहारे भ्वादिः | पण्+इण्+आय (लुक्) | हाथ | |
| 3 | 6 | मधुरः | 6 | मधुर पुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, सुखद | |
| 3 | 7 | पादौ | 7 | पाद पुं 1 द्वि | | पद् (पदँ) गतौ दिवादिः | पद्+करणे घञ् | पद | |
| 3 | 8 | मधुरौ | 8 | मधुर पुं 1 द्वि | | | मधु+र | मधुर, वंदनीय | |
| 3 | 9 | । | | | | | | | |
| 3 | 10 | नृत्यम् | 9 | नृत्य नपुं 1 एक | | नृत् (नृतीँ) गात्रविक्षेपे दिवादिः | नृत्+क्यप् | नृत्य; अभिनय | |
| 3 | 11 | मधुरम् | 10 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, मनोहर | |
| 3 | 12 | सख्यम् | 11 | सख्य नपुं 1 एक | | | सखि+यत् | मैत्री | |
| 3 | 13 | मधुरम् | 12 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, हितकारी | |
| 3 | 14-15 | मधुराधिपतेः | 13 | मधुराधिपति पुं 6 एक | <मधुर नपुं-अधिपति पुं>T6, बहु | | | (इन) माधुर्यों के स्वामी का | |
| 3 | 14 | मधुर | | मधुर | | | मधु+र | माधुर्य | |
| 3 | 15 | अधिपतेः | | अधिपति पुं 6 एक | | पा (पा) रक्षणे अदादिः | अधि+पा+डति | स्वामी | |
| 3 | 16 | अखिलम् | 14 | अखिल नपुं 1 एक | <न-खिल>Tn | | नञ्+खिल्+कः | (कथनीय एवं अकथनीय) सब कुछ, संपूर्ण | |
| 3 | 17 | मधुरम् | 15 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, मधुमय; रसमय; आनंदमय | |
| 3 | 18 | ॥ | 16 | | | | | | |
| | | | | | | | | | |
| **# text_line = गीतं मधुरं पीतं मधुरं भुक्तं मधुरं सुप्तं मधुरम् । रूपं मधुरं तिलकं मधुरं मधुराधिपतेरखिलं मधुरम् ॥** | | | | | | | | | |
| # text_line_hi = गीत सुरीला, पीना शीतप्रद, खाना संतोषक, सोना सुखद । दृष्टव्य रूप और तिलक प्रियदर्शन, माधुर्यों के स्वामी का सब कुछ मधुर ॥ | | | | | | | | | |
| # text_line_id = 4 | | | | | | | | | |
| 4 | 1 | गीतम् | 1 | गीत नपुं 1 एक | | गा (गा) स्तुतौ जुहोत्यादिः | गा+क्त | गीत | |

| # global.columns = S:TEXT_LINE_ID ID FORM S:ANVAYAPOS S:VIŚLEṢAṆA S:VIGRAHA S:DHĀTU S:VYUTPATTI S:HGLOSS | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| # columnstsv = S: TEXT_LINE_ID | ID | FORM | S:ANVAYAPOS | S:VIŚLEṢAṆA | S:VIGRAHA | S:DHĀTU | S:VYUTPATTI | S:HGLOSS |
| 4 | 2 | मधुरम् | 2 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, सुरीला |
| 4 | 3 | पीतम् | 3 | पीत नपुं 1 एक | | पा (पा) पाने भ्वादिः | पा+क्त | पीना |
| 4 | 4 | मधुरम् | 4 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, शीतप्रद |
| 4 | 5 | भुक्तम् | 5 | भुक्त नपुं 1 एक | | भुज् (भुजँ) अभ्यवहारे रुधादिः | भुज्+क्त | खाना |
| 4 | 6 | मधुरम् | 6 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, संतोषक |
| 4 | 7 | सुप्तम् | 7 | सुप्त नपुं 1 एक | | स्वप् (ञिष्वपँ) शये अदादिः | स्वप्+क्त | सोना |
| 4 | 8 | मधुरम् | 8 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, सुखद |
| 4 | 9 | । | | | | | | |
| 4 | 10 | रूपम् | 9 | रूप नपुं 1 एक | | रूप (रूप) रूपक्रियायाम् चुरादिः | रुप्+अच् | रूप |
| 4 | 11 | मधुरम् | 10 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, द्रष्टव्य |
| 4 | 12 | तिलकम् | 11 | तिलक नपुं 1 एक | | तिल् (तिलँ) स्नेहने तुदादिः | तिल्+क्वुन् | तिलक |
| 4 | 13 | मधुरम् | 12 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, प्रियदर्शन |
| 4 | 14-15 | मधुराधिपतेः | 13 | मधुराधिपति पुं 6 एक | <मधुर नपुं-अधिपति पुं>T6, बहु | | | (इन) माधुर्यों के स्वामी का |
| 4 | 14 | मधुर | | मधुर | | | मधु+र | माधुर्य |
| 4 | 15 | अधिपतेः | | अधिपति पुं 6 एक | | पा (पा) रक्षणे अदादिः | अधि+पा+डति | स्वामी |
| 4 | 16 | अखिलम् | 14 | अखिल नपुं 1 एक | <न-खिल>Tn | | नञ्+खिल्+कः | (कथनीय एवं अकथनीय) सब कुछ, संपूर्ण |
| 4 | 17 | मधुरम् | 15 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, मधुमय; रसमय; आनंदमय |
| 4 | 18 | ॥ | 16 | | | | | |
| | | | | | | | | |
| # text_line = **करणं मधुरं रमणं मधुरं तरणं मधुरं हरणं मधुरम् । वमितं मधुरं शमितं मधुरं मधुराधिपतेरखिलं मधुरम् ॥** | | | | | | | | |

| # global.columns = S:TEXT_LINE_ID ID FORM S:ANVAYAPOS S:VIŚLEṢAṆA S:VIGRAHA S:DHĀTU S:VYUTPATTI S:HGLOSS | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| # columnstsv = S: TEXT_LINE_ID | ID | FORM | S:ANVAYAPOS | S:VIŚLEṢAṆA | S:VIGRAHA | S:DHĀTU | S:VYUTPATTI | S:HGLOSS |
| # text_line_hi = कृत्य कृपालु, क्रीडा रोचक, तैरना प्रमोद, हरना हितकर । उद्गीरण शीतल और सुखद शमन, माधुर्यों के स्वामी का सब कुछ मधुर ॥ | | | | | | | | |
| # text_line_id = 5 | | | | | | | | |
| 5 | 1 | करणम् | 1 | करण नपुं 1 एक | | कृ (डुकृञ्) करणे तनादिः | कृ+ल्युट् | (संयोग-वियोग के) कृत्य; स्वीकृत्य |
| 5 | 2 | मधुरम् | 2 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, कृपालु |
| 5 | 3 | रमणम् | 3 | रमण नपुं 1 एक | | रम् (रमुँ) क्रीडायाम् भ्वादिः | रम्+ल्युट् | बालक्रीडा |
| 5 | 4 | मधुरम् | 4 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, रोचक |
| 5 | 5 | तरणम् | 5 | तरण नपुं 1 एक | | तृ (तृ) प्लवनतरणयोः भ्वादिः | तृ+ल्युट् | पार करना, तैरना |
| 5 | 6 | मधुरम् | 6 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, आमोद |
| 5 | 7 | हरणम् | 7 | हरण नपुं 1 एक | | हृ (हृञ्) हरणे भ्वादिः | हृ+ल्युट् | हरना |
| 5 | 8 | मधुरम् | 8 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, हितकर |
| 5 | 9 | । | | | | | | |
| 5 | 10 | वमितम् | 9 | वमित नपुं 1 एक | | वम् (टुवमँ) उद्गिरणे भ्वादिः | वम्+क्त | उद्गीरण |
| 5 | 11 | मधुरम् | 10 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, शीतल |
| 5 | 12 | शमितम् | 11 | शमित नपुं 1 एक | | शम् (शमुँ) उपशमने दिवादिः | शम्+क्त | शमन |
| 5 | 13 | मधुरम् | 12 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, सुखद |
| 5 | 14-15 | मधुराधिपतेः | 13 | मधुराधिपति पुं 6 एक | <मधुर नपुं-अधिपति पुं>T6, बहु | | | (इन) माधुर्यों के स्वामी का |
| 5 | 14 | मधुर | | मधुर | | | मधु+र | माधुर्य |
| 5 | 15 | अधिपतेः | | अधिपति पुं 6 एक | | पा (पा) रक्षणे अदादिः | अधि+पा+डति | स्वामी |
| 5 | 16 | अखिलम् | 14 | अखिल नपुं 1 एक | <न-खिल>Tn | | नञ्+खिल्+कः | (कथनीय एवं अकथनीय) सब कुछ, संपूर्ण |

| # global.columns = S:TEXT_LINE_ID ID FORM S:ANVAYAPOS S:VIŚLEṢAṆA S:VIGRAHA S:DHĀTU S:VYUTPATTI S:HGLOSS | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **# columnstsv = S: TEXT_LINE_ID** | **ID** | **FORM** | **S:ANVAYAPOS** | **S:VIŚLEṢAṆA** | **S:VIGRAHA** | **S:DHĀTU** | **S:VYUTPATTI** | **S:HGLOSS** |
| 5 | 17 | मधुरम् | 15 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, मधुमय; रसमय; आनंदमय |
| 5 | 18 | ॥ | 16 | | | | | |
| | | | | | | | | |
| **# text_line = गुञ्जा मधुरा माला मधुरा यमुना मधुरा वीची मधुरा । सलिलं मधुरं कमलं मधुरं मधुराधिपतेरखिलं मधुरम् ॥** | | | | | | | | |
| # text_line_hi = गुंजा आकर्षक, वनमाला सुंदर, यमुना जलद, तरंग मनोहर । शीतल जल और हृद्य कमल, माधुर्यों के स्वामी का सब कुछ मधुर ॥ | | | | | | | | |
| # text_line_id = 6 | | | | | | | | |
| 6 | 1 | गुञ्जाः | 1 | गुञ्जा स्त्री 1 बहु | | गुज् (गुजिँ) अव्यक्ते शब्दे भ्वादिः | गुजि+अच् | गुंजा |
| 6 | 2 | मधुराः | 2 | मधुरा स्त्री 1 बहु | | | मधु+र | मधुर, आकर्षक |
| 6 | 3 | माला | 3 | माला स्त्री 1 एक | | मा (मा) माने अदादिः | मा+रन् (ल)+टाप् । | वनमाला |
| 6 | 4 | मधुरा | 4 | मधुरा स्त्री 1 एक | | | मधु+र | मधुर, सुंदर |
| 6 | 5 | यमुना | 5 | यमुना स्त्री 1 एक | | यम् (यमँ) उपरमे भ्वादिः | यमि+उनन्+टाप् | यमुना |
| 6 | 6 | मधुरा | 6 | मधुरा स्त्री 1 एक | | | मधु+र | मधुर, जलद |
| 6 | 7 | वीची | 7 | वीची स्त्री 1 एक | | वेष्ट् (वेष्टँ) वेष्टने भ्वादिः | वे+डीचि+ङीप् | तरंग |
| 6 | 8 | मधुरा | 8 | | | | मधु+र | मधुर, मनोहर |
| 6 | 9 | । | | | | | | |
| 6 | 10 | सलिलम् | 9 | सलिल नपुं 1 एक | | सल् (षलँ) गतौ भ्वादिः | सल्+इलच् | जल |
| 6 | 11 | मधुरम् | 10 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, शीतल |
| 6 | 12 | कमलम् | 11 | कमल नपुं 1 एक | | कम् (कमुँ) कान्तौ भ्वादिः | कम्+अल्+अच् | कमल |
| 6 | 13 | मधुरम् | 12 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, हृद्य |
| 6 | 14-15 | मधुराधिपतेः | 13 | मधुराधिपति पुं 6 एक | <मधुर नपुं-अधिपति पुं>T6, बहु | | | (इन) माधुर्यों के स्वामी का |
| 6 | 14 | मधुर | | मधुर | | | मधु+र | माधुर्य |

| # global.columns = S:TEXT_LINE_ID ID FORM S:ANVAYAPOS S:VIŚLEṢAṆA S:VIGRAHA S:DHĀTU S:VYUTPATTI S:HGLOSS | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **# columnstsv = S: TEXT_LINE_ID** | **ID** | **FORM** | **S:ANVAYAPOS** | **S:VIŚLEṢAṆA** | **S:VIGRAHA** | **S:DHĀTU** | **S:VYUTPATTI** | **S:HGLOSS** |
| 6 | 15 | अधिपतेः | | अधिपति पुं 6 एक | | पा (पा) रक्षणे अदादिः | अधि+पा+डति | स्वामी |
| 6 | 16 | अखिलम् | 14 | अखिल नपुं 1 एक | <न-खिल>Tn | | नञ्+खिल्+कः | (कथनीय एवं अकथनीय) सब कुछ, संपूर्ण |
| 6 | 17 | मधुरम् | 15 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, मधुमय; रसमय; आनंदमय |
| 6 | 18 | ॥ | 16 | | | | | |
| | | | | | | | | |
| **# text_line = गोपी मधुरा लीला मधुरा युक्तं मधुरं मुक्तं मधुरम् । दृष्टं मधुरं शिष्टं मधुरं मधुराधिपतेरखिलं मधुरम् ॥** | | | | | | | | |
| # text_line_hi = ग्वालिन वल्लभा, लीला प्रमोद, योजन आनंद, मोचन आनंद । देखना प्रेमयुक्त और शासन मनोहर, माधुर्यों के स्वामी का सब कुछ मधुर ॥ | | | | | | | | |
| # text_line_id = 7 | | | | | | | | |
| 7 | 1 | गोपी | 1 | गोपी स्त्री 1 एक | | पा (पा) रक्षणे अदादिः | गो+पा+ङीप् | गोपी, ग्वालिन |
| 7 | 2 | मधुरा | 2 | मधुरा स्त्री 1 एक | | | मधु+र | मधुर, वल्लभा |
| 7 | 3 | लीला | 3 | लीला स्त्री 1 एक | | ली (ली) श्लेषणे क्र्यादिः | ली+क्विप् ला+क | केलि |
| 7 | 4 | मधुरा | 4 | मधुरा स्त्री 1 एक | | | मधु+र | मधुर, प्रमोद |
| 7 | 5 | युक्तम् | 5 | युक्त नपुं 1 एक | | युज् (युजिँर्) योगे रुधादिः | युज्+क्त | योजन |
| 7 | 6 | मधुरम् | 6 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, आनंद |
| 7 | 7 | मुक्तम् | 7 | मुक्त नपुं 1 एक | | मुच् (मुचॢँ) मोक्षणे तुदादिः | मुच्+क्त | मोचन |
| 7 | 8 | मधुरम् | 8 | मधुर नपुं 1 एक | | | | मधुर, आनंद |
| 7 | 9 | । | | | | | | |
| 7 | 10 | दृष्टम् | 9 | दृष्ट नपुं 1 एक | | दृश् (दृशिँर्) प्रेक्षणे भ्वादिः | दृश्+क्त | देखना |
| 7 | 11 | मधुरम् | 10 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, प्रेमयुक्त |
| 7 | 12 | शिष्टम् | 11 | शिष्ट नपुं 1 एक | | शास् (शासुँ) अनुशिष्टौ अदादिः | शास्+क्त | शासन |
| 7 | 13 | मधुरम् | 12 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, मनोहर |

| # global.columns = S:TEXT_LINE_ID ID FORM S:ANVAYAPOS S:VIŚLEṢAṆA S:VIGRAHA S:DHĀTU S:VYUTPATTI S:HGLOSS | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| # columnstsv = S: TEXT_LINE_ID | ID | FORM | S:ANVAYAPOS | S:VIŚLEṢAṆA | S:VIGRAHA | S:DHĀTU | S:VYUTPATTI | S:HGLOSS |
| 7 | 14-15 | मधुराधिपतेः | 13 | मधुराधिपति पुं 6 एक | <मधुर नपुं-अधिपति पुं>T6, बहु | | | (इन) माधुर्यों के स्वामी का |
| 7 | 14 | मधुर | | मधुर | | | मधु+र | माधुर्य |
| 7 | 15 | अधिपतेः | | अधिपति पुं 6 एक | | पा (पा) रक्षणे अदादिः | अधि+पा+डति | स्वामी |
| 7 | 16 | अखिलम् | 14 | अखिल नपुं 1 एक | <न-खिल>Tn | | नञ्+खिल्+कः | (कथनीय एवं अकथनीय) सब कुछ, संपूर्ण |
| 7 | 17 | मधुरम् | 15 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, मधुमय; रसमय; आनंदमय |
| 7 | 18 | ॥ | 16 | | | | | |
| | | | | | | | | |
| **# text_line = गोपा मधुरा गावो मधुरा यष्टिर्मधुरा सृष्टिर्मधुरा । दलितं मधुरं फलितं मधुरं मधुराधिपतेरखिलं मधुरम् ॥** | | | | | | | | |
| # text_line_hi = ग्वालेँ वल्लभ, गाएँ सौम्य, दंड हितकारी, रचना उत्तम । मोक्षद विकास और आनंदमय आविर्भाव, माधुर्यों के स्वामी का सब कुछ मधुर ॥ | | | | | | | | |
| # text_line_id = 8 | | | | | | | | |
| 8 | 1 | गोपाः | 1 | गोप पुं 1 बहु | | पा (पा) रक्षणे अदादिः | गो+पा+शस् | ग्वालेँ |
| 8 | 2 | मधुराः | 2 | मधुर पुं 1 बहु | | | मधु+र | मधुर, वल्लभ |
| 8 | 3 | गावः | 3 | गो स्त्री 1 बहु | | | गो+शस् | गाएँ |
| 8 | 4 | मधुराः | 4 | मधुरा स्त्री 1 बहु | | | मधु+र | मधुर, सौम्य |
| 8 | 5 | यष्टिः | 5 | यष्टि स्त्री 1 एक | | यज् (यजँ) देवपूजासङ्गतिकरणदानेषु भ्वादिः | यज्+ति | दंड |
| 8 | 6 | मधुरा | 6 | मधुरा स्त्री 1 एक | | | मधु+र | मधुर, हितकारी |
| 8 | 7 | सृष्टिः | 7 | सृष्टि स्त्री 1 एक | | सृज् (सृजँ) विसर्गे तुदादिः | सृज्+क्तिन् | रचना |
| 8 | 8 | मधुरा | 8 | मधुरा स्त्री 1 एक | | | मधु+र | मधुर, उत्तम |
| 8 | 9 | । | | | | | | |
| 8 | 10 | दलितम् | 9 | दलित नपुं 1 एक | | दल् (दलँ) विदारणे विशरणे भ्वादिः | दल्+क्त | विकास |

| # global.columns = S:TEXT_LINE_ID ID FORM S:ANVAYAPOS S:VIŚLEṢAṆA S:VIGRAHA S:DHĀTU S:VYUTPATTI S:HGLOSS | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **# columnstsv = S: TEXT_LINE_ID** | **ID** | **FORM** | **S:ANVAYAPOS** | **S:VIŚLEṢAṆA** | **S:VIGRAHA** | **S:DHĀTU** | **S:VYUTPATTI** | **S:HGLOSS** |
| 8 | 11 | मधुरम् | 10 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, सुगम |
| 8 | 12 | फलितम् | 11 | फलित नपुं 1 एक | | फल् (फलँ) निष्पत्तौ भ्वादिः | फल्+इतच् | आविर्भाव |
| 8 | 13 | मधुरम् | 12 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, मोक्षद |
| 8 | 14-15 | मधुराधिपतेः | 13 | मधुराधिपति पुं 6 एक | <मधुर नपुं-अधिपति पुं>T6, बहु | | | (इन) माधुर्यों के स्वामी का |
| 8 | 14 | मधुर | | मधुर | | | मधु+र | माधुर्य |
| 8 | 15 | अधिपतेः | | अधिपति पुं 6 एक | | पा (पा) रक्षणे अदादिः | अधि+पा+डति | स्वामी |
| 8 | 16 | अखिलम् | 14 | अखिल नपुं 1 एक | <न-खिल>Tn | | नञ्+खिल्+कः | (कथनीय एवं अकथनीय) सब कुछ, संपूर्ण |
| 8 | 17 | मधुरम् | 15 | मधुर नपुं 1 एक | | | मधु+र | मधुर, मधुमय; रसमय; आनंदमय |
| 8 | 18 | ॥ | 16 | | | | | |